

न्यायालय सहायक कलक्टर (मु०)-सीकर

उत्तान-

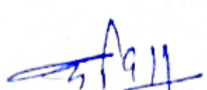
नागरमल

बनाम

भागुराम उर्फ भागीरथमल आदि

किस्म मुकदमा- आ० पत्र आ०धारा 212 आर.टी.ए. 1955

मु.नं० 83 वर्ष 2025

दिनांक	आज्ञा पत्र
04.09.2025	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थीगण उपस्थित। वकील प्रार्थीगण की बहस टी०आई० सुनी गई।</p> <p>हमने वकील प्रार्थीगण की बहस सुनी, उसपर मनन किया तथा पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड का अवलोकन किया, जिससे जाहिर है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना-पत्र 212 आरटीएक्ट पेश करने पर न्यायालय द्वारा दिनांक 26.05.25 को अप्रार्थीगण के विरुद्ध अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की जाकर राजस्व ग्राम गोवटी प०ह० गोवटी तहसील दांतारामगढ़, सीकर की वादग्रस्त आराजी ख०नं० 1179/74 रकबा 0.2450 है० ख०नं० 1181/73 रकबा 0.1700 है० ख०नं० 1183/72 रकबा 0.1416 है० भूमि के रिकार्ड एंव मौके की यथास्थिति बनाए रखने हेतु अप्रार्थीगण को पाबन्द किया गया था।</p> <p>चूंकि अप्रार्थी सं० 1 लगायत 3 बावजूद सूचना उपस्थित नहीं आने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही एकतरफा अमल में लाई जा चुकी है। प्रार्थीगण द्वारा वाद बाबत अं० धारा 183, 188 रा०का०अधिनियम पेश किया है, जो वर्तमान में साक्ष्य वादीगण में विचाराधीन चल रहा है। साक्ष्य/सबूत पेश होने पर वाद का मेरिट के आधार पर निस्तारण किया जाना है। विवादग्रस्त भूमियों पर वाद विवाद बहुलता नहीं बढ़े इसलिए न्यायहित में न्यायालय प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र अंतर्गत धारा 212 आरटीएक्ट स्वीकार कर मूल वाद के निस्तारण तक उभय पक्ष को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द करना उचित समझता है।</p> <p>अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र अंतर्गत धारा 212 आरटीएक्ट स्वीकार किया जाकर उभय पक्ष को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि राजस्व ग्राम गोवटी प०ह० गोवटी तहसील दांतारामगढ़, सीकर की वादग्रस्त आराजी ख०नं० 1179/74 रकबा 0.2450 है० ख०नं० 1181/73 रकबा 0.1700 है० ख०नं० 1183/72 रकबा 0.1416 है० भूमि में मूल वाद के निस्तारण तक भूमि के रिकॉर्ड व मौके की यथास्थिति बनाये रखें। पत्रावली फैशल शुमार होकर नंबर से कम हो।</p> <p align="right"> सहायक कलक्टर (मु०)सीकर</p>